

## అంగ్రామ్ అంగా కింగ్ మార్గాలు కార్కాలు అంగా కార్కు కార్యాలు అంగా కార్కు కార్కు

## র্মুন র্চ্চর প্র ক্রমান্ত্রী নের্চন র্মানিক ন্মান্তর বিশ্বর বিশ্

र्ट्रव:पशुप

ই্শ'ন্যথ্য

्च्चीर'पृष्ट-ऋष'त्राव्य-र्म्य प्रान्ट-र्पे'ट्रे'स्थ'र हिकी से'र्मुण्याग्री'क्ष्याया त्राव्य-र्थ्य स्थान्य प्रान्य

नेत्

षान्ने वासुर पवा ने तसवा वा पति चित्र मा चित्रे में मा वासुर वा पर मे ना

चिषाद्रमाने में मान्याय में प्राप्त के स्वाप्त में मान्याय के मान्याय के स्वाप्त के स्वा

गीय पर्नित पर्नेय तार्रा पर्वाया यहेवा लक्षा पर्नेय पर्वा पर्वा रहेवा

ইব্যবেশ্বরা বিশ্ববিদ্যান ल्रि-रिट-ल्रिटी रेनु-प्र्यू-वर्-त-विश्र श्रव-त-विश्र

최소.김세

ला.बु.बट.ट्वा.लवा.टु.कू.टट.ब्रैंच.बबा.पंग्रेज.टचट.भैवा.लवा.लूट.पुटी

न्दःर्रम्

योट.लीय.चुर.य.येट.त.ट्र.य.क्.य.त.यट.ताबुय.र्झ्या.तर्झय.तट्ये.त.ट्र.लट.ख्र्य.ख्रूट्य.त्यात्याययर.ग्री.लूट्

नेत्

 $\frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1$ 

वर्ज्ञ पर्ट्र मुक्कु की व्यंद रेदा

**व्यान्यया** ट्रे.बट.चर्षुब.र्झव.वर्झल.क्री.वर्ट्च.त.ट्र.श्रट.त.चर्झ.एट्र्ट.लूट.ब.र्झव.वर्झल.ट्रुप.क्री.वा.प्र.लुब.श्रुब.चस्वा.

र्देव त्याप

षालया ट्रे.पट्याल्य र्थेय र्ज्या र्ज्या प्रज्ञा की वी स्वार्य स्वार

ইব্য'ব্যব্যব্য

इवा प्रकला ग्री कु वाई रंग गाव प्रश्नित प्रमेव प्राप्त

गीव.एबिट.ट्र.ज.लट.जय.ग्री.गीव.एबिट.ट्ट.

वृंब म्ब्रान्य त्यं भीव प्रवित्त विष्य त्यं र प्रती

ૡૹઌ૽૾ૢૺઌૢૻ૱ૡ૽૽ૢૄૢૢૢૢૢૡ૽૱ૢૻ૱ૡૹઌૹ૽૱ઌ૽૽ૺ૱ઌૹ૽૽ૹઌ૽૽૱૱૽૽ૢ૽ૺઌ૽૽ૼઌૼ૱ઌ

ৰ্ব্ব নেগ্ৰুবা

न्वा वाह्युख्रात्यन्व वा रे रेन्

ইব্য'বব্যব্য

द्या याबुअ चेर व तर्दि कवावा ले सूट वा है ख्वा वाबुअ वा चेर बी पेंट सेटा

ट्रे.वर्षिष्र.युष्प्रयाथाःश्चेट्रे.ता.वर्ञ्च.षायय.ताय. त्यूच. त्यूच.वर्षिष्य. व्यूच.वर्षिष्य.

र्नेन'त्शुन

व्यवायार्थे। ने वयाञ्चव प्रतः ञ्चव पान्य वन् प्रवायाया ने क्षेत्रं वा से व्याञ्चा वी व्यव प्रवायाया



## అంగ్రామ్ స్టాన్ స్టాన్ స్టాన్ స్ట్రాన్స్ స్టాన్ స్ట్రాన్స్ స్ట్రాన్స్ స్ట్రాన్స్ స్ట్రాన్స్ స్ట్రాన్స్ (LRZTP 9 Module 3 – Lesson 23, Listening Comprehension, November 2023

LKZ17 9 Woddie 3 – Lesson 23, Listening Comprehension, November 202

ইম'বমমা

व.क्षुं, रूट. इ.च. रे. २ व्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वरते वर्षे व

ने वट प्वित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त प्राप्त प्रमुट प्यनेत प्राधीत प्राप्त में त्राप्त प्रमुप्त प्राप्त सेना

ब.क्ष्युं.कै.ट्र.त्यावा.ट्यूब.प्रटी ट्र.बट.त्वुब.र्झवा.यज्ञन.क्र्याची.क्र.य.ट्र.प्यूबा.ट्यूब.प्रटी

चुषार्स्ट्रव्याच्याप्ट्रा

तर्वेवा पत्रे पदेव पार्मिवा तर्रे से दी

याता. ह्यून. य. १८ १. १ या. १

<u> दे.बट.तखुब.र्झवा.वर्झल.कुं.क्.त.चमावा.ट्मूब.त.तमावा.ट्मूब.य.तम्बा.तपु.लश.तक्ल.ट्मूब.र्</u>द्री

दे'चगावा'चदि'अअ'चर्डभ'द्वेष्य'च'दे'अअ'ची'चदेत्र'च'रेदा

র্নুব্যব্যুবা

ट्रे.पर्याताचे र्या.सेव.त.र्टट.सेव.वाध्या.तस्य.त्री.तट्व.त.ज.सेर.ट्यूया.ग्री.लूट.प्रट.ती

**इंग.चग्रम** जवाय.लूट.रूटी

ञ्चत्र पः ने केंबा क्रेंत्र पः पें सः प्रति : न्नः बात्तरः प्रतितः न्रः व

भ्रुव में रहें कें प्रवास सेव में मुन्य स्वाम केंद्र में प्रवास केंद्र में प्रवास केंद्र में प्रवास केंद्र में

श्चर्यायाया द्रां प्रदेश्वर व्याश्चर यापा र्त्या प्रवास व्यापा विष्या श्री र्यो प्रवास विष्या श्री राज्य प्रवास

<u> </u>दे'त्र प्वित्र स्वापित स्व

नेत्

র্ব্ব বেয়ুবা

त्र्येय प्रम् क्षित स्रम्य तर्दे स्रव र्ये तर्द्